MAHD 1002

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE 2015.

Non-Semester

Hindi

PRACHIN EVAM MADHYA KALEEN KAVYA

Time : Three hours Maximum : 100 marks

I. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए $(5 \times 8 = 40)$

1. निरगुन आगे सरगुन नाचै बाजे सोहँग तूरा।

चेला के पाँव गुरुजी लागै यही अचंभा पूरा।। - व्याख्या कीजिए।

2. सैसव -जोबन दुहु मिलि गेल, स्रवनक पथ दुहु लाचन लेले।

बचनक चातुरि लहु-लहु हास, धरनिये चांद कएल पर गास।। - व्याख्या कीजिए।

3. फिरि फिरि रोव, कोइ नहीं डोला। आधी रात विहंगम बोला।

तू फिरि फिरि दाहै सब पाँखी। केहि दुख रैनि न लावसि आँखी।। - व्याख्या कीजिए।

4. अपनी भक्ति दे भगवान।

कोटि लालच जो दिखावहु नाहिनै रूचि आन।।

5. तुलसीदास की राम भक्ति।

6. बिहारी की श्रृंगारिकता।

7. निर्गुण भक्तिकाव्य परम्परा।

8. सगुण भक्ति की विशेषताएँ।

II. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $(5 \times 12 = 60)$

9. संत कबीर की दार्शनिकता का परिचय देते हुए हठयोगी साधना की समीक्षा कीजिए।

10. मैथिल कोकिल गीतिकार विद्यापति की श्रृंगारिकता को सोंदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

11. कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा में सूरदास के वात्सल्य वर्णन का योगदान निर्धारित कीजिए।

12. महाकाव्य के तत्वों के आधार पर ज़ायसी के पद्मावत की विवेचना कीजिए।

13. रामचरितमानस में अभिव्यक्त तुलसी की समन्वय भावना को उद्घाटित कीजिए।

14. बिहारी के दोहे श्रृंगार, भक्ति और नीति का अद्भुत संगम है – सिद्ध कीजिए।

15. भक्तिआंदोलन की चेतना और सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित कीजिए।

16. भक्ति के दार्शनिक सम्प्रदायों और उपसम्प्रदायों से अवगत करवाईए।